तर्ज- मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा

मेरे निजधाम के साथी तुम्हें प्रणाम करते हैं
अर्श की बिछड़ी रूहों का मिलन धनी धाम करते हैं

1- छठा दिन मोमिनों काजागनी अभियान करने का
धनी उनको जगाते हैं,जो जान कुर्बान करते हैं

2- धनी की राह पे कुर्बानी,करेंगे अर्श के मोमिन
माया के जीवड़े माया में,ही घुट घुट के मरते हैं

3-धनी श्री देवचन्द्र जी ने,जागनी अभियान चलाया था
हकी सूरत महामति बनके,अपना काम करते हैं

4- खजाना अर्श का लाकर,दिया है अपनी उमत को
निबेरा माया और ब्रह्म का,मेरे धनी धाम करते हैं

Nijanand App